पाठ - 4

22/10/2022

PANKAJ
Page No.:
Date : / /

(4.) तिब्बत :—

⇒ तिब्बत मध्य एशिया का प्रसिद्ध पठार है। ऐतिहासिक रूप से तिब्बत, भारत और चीन के बीच विवाद का एक बड़ा मुद्दा रहा है। सन् 1950 में चीन ने तिब्बत पर नियंत्रण कर लिया। सन् 1954 में जब भारत और चीन के बीच पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर हुए तो इसके प्रावधानों में एक बात यह भी शामिल थी कि दोनों देश एक-दूसरे की क्षेत्रीय संप्रभुता का सम्मान करेंगे।

⇒ चीन ने 'स्वायत्त तिब्बत क्षेत्र' बनाया है और इस क्षेत्र को वह चीन का अभिन्न अंग मानता है। तिब्बती जनता चीन के इस दावे को नहीं मानती कि तिब्बत, चीन का अभिन्न अंग है। वे मानते हैं कि चीन साम्यवाद का विस्तार करना चाहता है।

⇒ भारत और चीन के बीच एक सीमा-विवाद भी उठ खड़ा हुआ था। चीन ने भारतीय भू-क्षेत्र में पड़ने वाले दो क्षेत्रों जम्मू-कश्मीर के लद्दाख वाले हिस्से के अक्साई-चीन और अरुणाचल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों पर अधिकार बताया।

(5.) पाकिस्तान के साथ युद्ध और शांति :—

⇒ कश्मीर मामले को लेकर पाकिस्तान के साथ बँटवारे के तुरंत बाद ही संघर्ष छिड़ गया था। सन् 1947 में ही कश्मीर में भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच एक छाया युद्ध छिड़ गया था। यह संघर्ष पूर्ण रूप से व्यापक युद्ध का रूप न ले सका।

⇒ विश्व बैंक की मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान के मध्य नदी जल में हिस्सेदारी को लेकर चला आ रहा एक लंबा विवाद सुलझा लिया गया। नेहरू और जनरल अयुब खान ने सिंधु नदी जल संधि पर सन् 1960 में हस्ताक्षर किए।

⇒ भारतीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री तथा पाकिस्तान के जनरल अयूब खान के बीच सन् 1966 ई. में ताशकंद समझौता हुआ।

(i) बांग्लादेश युद्ध, 1971 :—

⇒ 1970 में पाकिस्तान के सामने एक गहरा अंदरूनी संकट आ खड़ा हुआ। पाकिस्तान के पहले आम चुनाव में खंडित जनादेश आया।

⇒ जुल्फिकार अली भुट्टो की पार्टी पश्चिमी पाकिस्तान में विजयी रही जबकि मुजीबुर्रहमान की पार्टी अवामी लीग ने पूर्वी पाकिस्तान में कामयाबी हासिल की।

⇒ सन् 1971 ई. में पूर्वी पाकिस्तान की जनता ने वर्तमान बांग्लादेश को पाकिस्तान से मुक्त कराने के लिए संघर्ष छेड़ दिया भारत ने बांग्लादेश के 'मुक्ति संग्राम' को नैतिक समर्थन व भौतिक सहायता प्रदान।

⇒ अमरीका - पाकिस्तान - चीन की धुरी बनती देख भारत ने इसके जवाब में सोवियत संघ के साथ 1971 में शांति और मित्रता की एक 20 - वर्षीय संधि कर ली।

⇒ बाद में 3 जुलाई 1972 को इंदिरा गाँधी और जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच शिमला - समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

(ii) करगिल संघर्ष :—

⇒ सन् 1999 के शुरुआती महीनों में भारतीय क्षेत्र की नियंत्रण सीमा रेखा के कई ठिकानों पर मुजाहिदीनों ने कब्जा कर लिया था। इससे भारत - पाकिस्तान के मध्य संघर्ष छिड़ गया। इसे 'करगिल संघर्ष' के नाम से जाना जाता है।

(6.) भारत की परमाणु नीति :—

⇒ इस दौर में भारत ने मई 1974 में परमाणु ~~परीक्षण~~ परीक्षण किया। साम्यवादी चीन ने अक्टूबर 1964 में परमाणु परीक्षण किया। भारत का कहना था कि भारत अणुशक्ति का प्रयोग केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए करेगा।

⇒ नेहरू की औद्योगीकरण की नीति का एक महत्वपूर्ण घटक परमाणु कार्यक्रम था। इसकी शुरुआत 1940 के दशक के अंतिम सालों में होमी जहाँगीर भाभा के निर्देशन में हो चुकी थी।

⇒ 1973 में अरब - इजरायल युद्ध हुआ था। इसके बाद पूरे विश्व में तेल के लिए हाहाकार मच गया।

⇒ 1962 से 1971 के बीच भारत ने तीन युद्धों का सामना किया।

(i) भारत का परमाणु - कार्यक्रम :—

⇒ 1995 में जब परमाणु - अप्रसार संधि को अनियतकाल के लिए बढ़ा दिया गया तो भारत ने इसका विरोध किया और उसने व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि पर भी हस्ताक्षर करने से मना कर दिया।

⇒ भारत ने मई 1998 में परमाणु परीक्षण किया तथा दुनिया को यह जताया कि उसके पास भी सैन्य उद्देश्यों के लिए अणु शक्ति के इस्तेमाल की क्षमता है।

⇒ भारत की परमाणु नीति में सैद्धान्तिक तौर पर यह बात स्वीकार की गयी है कि भारत अपनी रक्षा के लिए परमाणु हथियार रखेगा लेकिन वह हथियारों का पहले प्रयोग नहीं करेगा।

⇒ भारत वैश्विक स्तर पर लागू एवं भेद-भावविहीन परमाणु निःशस्त्रीकरण के प्रति वचनबद्ध है ताकि परमाणु हथियारों से विहिन विश्व की रचना हो।

(ii) विश्व राजनीति के बदलते समीकरण :—

⇒ 1990 के बाद के दौर में अमरीका - समर्थक विदेश नीति अपनाने के लिए शासक दलों की आलोचना हुई है।

⇒ मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय परिवेश में सैन्य-हितो के बजाय आर्थिक-हितों का ज़ोर ज्यादा है इसका भी असर भारत की विदेश नीति पर पड़ा

⇒ भारत और पाकिस्तान के बीच रेल और बस सेवा की शुरुआत की गई है। इसके बावजूद 1999 में भारत और पाकिस्तान में युद्ध की स्थिति पैदा हो गई थी।

⇒ स्थायी तौर पर अमन कायम करने के लिए प्रयास जारी है।

★ अरुणाचल प्रदेश को उस समय नेफा या उत्तर-पूर्वी सीमांत कहा जाता था। सन् 1957 से 1959 के बीच चीन ने अक्साई चीन होता पर कब्जा किया तथा इस इलाके में राजनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए एक सड़क का निर्माण किया।